

#### द्मसाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3--- उपलब्ध (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 181]

मई विल्ली, बुधवार, ग्रन्तूबर 8, 1971/मादिवन 14, 1893

No. 181]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 6, 1971/ASVINA 14, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

#### ORDER

New Delhi, the 6th October 1971

G.S.R. 1524.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by sub-section (1) of section 3 of the said Act to make orders to provide for the matters specified in clauses (a), (b), (c), (d), (f), (h), (i), (ii) and (j) of sub-section (2) thereof shall, in relation to foodstuffs, be exercisable also by the State Government of Himachal Pradesh, subject to the conditions—

- (1) that such powers shall be exercised by that Government subject to such directions, if any, as may be issued by the Central Government in this behalf;
- (2) that before making an Order relating to any matter specified in the said clauses (a), (c) or (f) or in regard to distribution or disposal of foodstuffs to places outside the State or in regard to regulation of transport of any foodstuff, under the said clause (d), that Government shall also obtain the prior concurrence of the Central Government; and

(3) that in making an Order relating to any of the matters specified in the said clause (j), that Government shall authorise only an officer of Government.

[No. 203(HIM)(1)/44/71-PY.II.]
R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

श्रादेश

नई दिल्ली, 6 श्रक्तुबर, 1971

सा० का० कि० 1524 — आवश्यक वस्तु प्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की, धारा 5 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते दुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा निवेश देती है कि वे शक्तियां जो उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (क), (ख), (ग), (घ), (घ), (ज), (ज), (झ), और (ङा) में विनिर्दिष्ट विषयों के सम्बन्ध में उपबन्ध करने हेतु आदेश करने के लिए उसकी उपधारा (1) द्वारा उसे प्रवत्त की गई है, खाद्य पदार्थों के सम्बन्ध में और निम्नलिखित शतौं के अधीन, हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार द्वारा भी प्रयोक्तव्य होंगी:—

- (1) कि ऐसी शक्तियां उस सरकार द्वारा, ऐसे निदेशों के श्रधीन, यदि कोई हों, प्रयुक्त की जाएंगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी किए जाएं;
- (2) कि उक्त खण्ड (क), (ग),या (च) में विनिर्दिष्ट किसी विषय के सम्बन्ध में या, उक्त खण्ड (घ) के ग्रधीन, राज्य से बाहर के स्थानों में खाद्य पदार्थों के वितरण या व्ययन के संबंध में या किसी खाद्य पदार्थ के पित्वहन के विनियमन के सम्बन्ध में कोई श्रादेश करने से पूर्व, वह सरकार, केन्द्रीय सरकार की पूर्विक सहमित भी श्रभिप्राप्त करेगी; श्रीर
- (3) कि उक्त खण्ड (अ) में विनिर्दिष्ट विषयों में से किसी के सम्बन्ध में श्रादेश करने के लिए, वह सरकार किसी सरकारी श्रधिकारी को ही प्राधिकृत करेंगी।

[सं० 203 (एच श्राई एम ) (1) /44/7 1-पी वाई II]

ग्रार० बालसुबमण्यन, संयुक्त सन्त्रिव ।